राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र पर नराकास, मुजफ्फरपुर की पहली छमाही बैठक का आयोजन

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), मुजफ्फरपुर की वित्त वर्ष 2019-20 की पहली छमाही बैठक 27 अगस्त, 2019 को राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र के सभागार में आयोजित की गई। समारोह का आरंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। तत्पश्चात, डॉ विनोद कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक और इस केंद्र के राजभाषा हिन्दी प्रभारी ने अतिथियों एवं विभिन्न कार्यालयों से आये हुये प्रतिनिधियों का स्वागत किया । तत्पश्चात, नराकास की पत्रिका 'मुज-दर्पण' का विमोचन किया गया। डॉ कुमार ने अपने स्वागत भाषण में केंद्र पर राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के मुद्दों पर चर्चा के साथ-साथ लीची अनुसंधान केंद्र के कार्यकलापों एवं हाल में विकसित तकनीकियों की भी संक्षिप्त जानकारी दी। समारोह के मुख्य अतिथि श्री नकुल बेहेरा, उपमहाप्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया एवं अध्यक्ष, नराकास, मुजफ्फरपुर थे। समारोह की अध्यक्षता डॉ विशाल नाथ, निदेशक, राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र ने की। श्री गिरिवरधारी सिंह, सचिव, नराकास, मुजफ्फरपुर ने हिन्दी के प्रचार-प्रसार में कम्प्यूटर के योगदान पर प्रशिक्षण दिया एवं कार्यालयों में उपलब्ध सभी कम्प्यूटर में यूनिकोड हिन्दी इन्स्टाल होने की अनिवार्यता पर ज़ोर दिया। मुख्य अतिथि ने हिन्दी में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने के लिए विभिन्न कार्यालयों के विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं शील्ड से पुरस्कृत किया। अपने सम्बोधन में उन्होने कहा कि हिंदी भाषा विविधता में एकता का प्रतीक है। हिन्दी पुरातन भी है और आधुनिक भी। हिन्दी भारतीयता की चेतना है। मंच संचालन डॉ संजय कुमार सिंह, मुख्य प्रबन्धक, एसबीआई ने किया और धन्यवाद ज्ञापन पंजाब नेशनल बैंक के प्रबन्धक श्री इंद्रजीत दास ने किया। समारोह में विभिन्न कार्यालयों से 52 प्रतिनिधि कार्यालय-प्रमुख एवं राजभाषा हिन्दी अधिकारियों ने भाग लिया ।

नराकास, मुजफ्फरपुर की पहली छमाही बैठक में मुख्य अतिथि एवं कार्यालय प्रमुख *मुज दर्पण* पत्रिका का विमोचन करते हुये

मुख्य अतिथि मुजफ्फरपुर के एक कार्यालय के विजेता को प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान करते हुये